शिक्षक – रवि शंकर राय

विषय – अर्थशास्त्र

दिनांक – 04-08-2020

वर्ग – B.A-II

रोजगार का सिद्धान्त

objective

किया गया है— C = 50 + 0.5Y , S = 80, G = 100, आय का संतुलन स्तर है— 460 ।

180. यदि निवेश का गुणक 4 है तब प्रासंगिक उपभोग फलन है → C = 28 + 0.75Y ।

181. 1. वह दर जो पूंजी परिसम्पति में निवेश से अपेक्षित होने वाले बट्टागत नगदी प्रभाव को इसकी पूर्ति कीमत के समान कर देती है, निवेश की सीमान्त दक्षता होती है।

2. प्रयोज्य आय (Disposable income) के साथ ~~परिवर्तित~~ प्रतिलोमत: परिवर्तित होता है, व्यक्तिगत आय पर कर

182. निम्नलिखित में से कौन प्रतिनिधित्वात्मक उपभोग फलन के साथ संगत है → APC = MPC

183. एक उद्यमी पूंजी परिसम्पति प्राप्त करने की योजना बनाता है जिसमे प्रथम वर्ष के अन्त में 660 रु० प्राप्त होने की आशा है और द्वितीय वर्ष के अन्त मे 1452 रु० प्राप्त होने की आशा इसके पश्चात यह अनुपयोगी हो जायेगी। बट्टा दर 0.10 है इसकी संतुलन पूर्ति कीमत क्या होगी → 1800 रु०

184. 1. जब कीमते लागतो में बीना ~~परिवर्तन~~ किसी परिवर्तन के गिरती है तब पूंजी की सीमान्त दक्षता गिरती है।

2. पूंजी की सीमान्त दक्षता बढ़े हुए निवेश के साथ पूंजीगत वस्तुओ के अधिक उत्पादन के कारण बढ़ती है।

185. चिर-प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रीयो का विश्वास था कि अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी बनी रहेगी —

1. वस्तुओ के मांग मे अपर्याप्तता के कारण ।

186. जब आय में वृद्धि होती है तब तरलता अधिमान वक्र पर इस प्रकार प्रभाव पड़ता है— यह दाये को विवर्तित होता है।

187. मुद्रा की तटस्थता का निहितार्थ है कि मुद्रा पूर्ति में की गयी किसी वृद्धि से → सभी कीमते उसी अनुपात में बढ़ेगी।

188. वह सिध्दान्त जिसमें मुद्रा की लेन-देन संबंधी मांग ब्याज की दर पर भी निर्भर करता है, प्रस्तुत किया था — बोमल और टोबिन ने।

1. स्फीतिकारी अन्तराल → कैन्स
2. नगद संतुलन उपागम → पीगू
3. त्वरक-गुणक सिद्धान्त → हिक्स

190. मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त का निहितार्थ है कि कीमत स्तर में वृद्धि → मुद्रा पूर्ति में वृद्धि से संबंधित होगी।

191. अगर सभी नयी निर्गमित मुद्रा बचा ली जाय तो → केवल निरपेक्ष मूल्य में वृद्धि होगी।

192. मुद्रवादी वे हैं जो विचार रखते हैं कि → मुद्रा स्फीति से ज्यादा गंभीर बेरोजगारी है।

193. ब्याज की नीची दर → मजदूरी बढ़ाती है।

194. मौद्रिक नीति किससे संबंधित है → ~~मौद्रिक~~ मौद्रिक अधिकारी।

195. मान लिजीए M=1000, M'=5000, V=2, V'=2 और T=1000 सामान्य कीमत स्तर होगा → 12 रु।

196. पूर्ति समर्थक वे अर्थशास्त्री हैं जो समष्टि आर्थिक समस्याओं बेरोजगारी एवं मुद्रा प्रसार का हल ढूंढते हैं → समग्र मांग को उच्च स्तर प्राप्त करने में।

197. एक बेरोजगार व्यक्ति को परिभाषित किया जा सकता है → जो काम चाहता है परन्तु उसे काम नहीं मिलता है।

198. मुद्रा की पूर्ति है → एक स्टॉक विचार।

199. स्फीति अन्तराल को दूर किया जा सकता है → सरकारी व्यय में वृद्धि और शुद्ध Tax Revenue में ह्रास से।

200. निम्न में से कौन नजदीकी मुद्रा का उदाहरण है → विनिमय बिल

201. मुद्रा पूर्ति में परिवर्तन से ब्याज दर प्रभावित नहीं होता है – यह सिद्धान्त है → प्रतिष्ठित सिद्धान्त तथा समय अधिमान सिद्धान्त

202. तरलता अधिमान वक्र दायीं और को गिरता हुआ होता है → जैसे ब्याज दर बढ़ती है, मुद्रा को संचय की अवसर लागत बढ़ जाती है।

203. मुद्रा की सट्टा मांग में वृद्धि होगी यदि → लोगों के विचार से ब्याज की वर्तमान दर सामान्य ब्याज दर से कम है।

204. निम्न में से किस अर्थशास्त्री ने आर्थिक स्थिति के स्तर के निर्धारक के रूप में प्रभावी मांग का सर्वप्रथम उल्लेख किया है → T.R माल्थस।

205. रोजगार में आरंभिक प्रत्यक्ष वृद्धि के प्रभावस्वरूप कुल रोजगार में कई गुणा वृद्धि होती है यह संबंध प्रतिपादित किया है → आर. एफ कान ने।

206. क्लासीकल रोजगार सिद्धान्त में श्रम बजार की पूर्ण निकासी किनसे होती है → मजदूरी दर के लोचशीलता के कारण।

207. कैन्स के ब्याज सिद्धान्त में, यदि अन्य बाते समान रहे और मुद्रा की विनिमय व्यवहार के लिए मांग बढ़ जाय तो ब्याज दर → बढ़ेगी। * अपरिवर्तित होगा।

208. निम्न में से किस अर्थशास्त्री ने उपभोग फलन के संदर्भ में स्थायी आय की अवधारणा का प्रयोग किया → एम फ्रीडमैन।

209. त्वरक के संदर्भ में —
1. अर्थव्यवस्था में अनुपयुक्त क्षमता न होने पर कार्यशील होता है।
2. पूंजी क्षय बढ़ जाने पर जाने पर इसका मान बढ़ जाता है।
3. यह मांग के स्तर पर निर्भर करता है।

210. हिक्स-हैनसन द्वारा प्रतिपादित IS-LM मॉडल के अनुसार साथ-साथ साम्य होता है → आय के स्तर और ब्याज दर के।

211. जब सकल निवेश शून्य हो जाता है तो निम्न में से कौन राष्ट्रीय आय को शून्य होने से रोकता है → उपभोग।

212. पूर्ण रोजगार की स्थिति के पूर्व, जब मूल्य स्तर में कमी आती है, समग्र मांग बढ़ जाती है जिससे रोजगार और आय में वृद्धि होती है। मूल्य स्तर और समग्र मांग में यह संबंध कहा जाता है → वास्तविक शेष प्रभाव।

213. सट्टे के लिए मुद्रा की मांग बॉड के प्रत्याशित मूल्यों पर निर्भर करती है। यह विचार दिया – J. M. केन्स ने।

214. मुद्रा गुणक अनुपात है → प्राथमिक मुद्रा के परिमाण तथा मुद्रा के कुल परिमाण में।